खबर संक्षेप

समर्थ खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन

भुआबिछिया। विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर जनपद शिक्षा केंद्र बिछिया में राज्य शिक्षा केंद्र के पत्र अनुसार जिला परियोजना समन्वयक मंडला कुलदीप कठल एवं के के उपाध्याय के निर्देशानुसार दिनांक 02 दिसंबर 2025 को विकासखंड स्तरीय CWSN समान समर्थ खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी एवं पार्षद श्रीमती पूनम रजक उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विकासखंड के विभिन्न जन शिक्षा केंद्रों से आए कुल 155 दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने 100 मीटर दौड़, कुर्सी दौड़, नींबू/चम्मच दौड़, क्रिकेट, रंगोली, चित्रकला, भाषण, गायन तथा सांस्कृतिक नृत्य जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मंच संचालन श्रीमती रजनी टेकाम एवं संदीप चंद्रौल द्वारा किया गया। पंजीयन का कार्य शिव मरावी ने संभाला। भोजन व्यवस्था में जीतेंद्र पटेल एवं सूर्यकांत पटेल का सहयोग उल्लेखनीय रहा। खेल प्रतियोगिताओं में रोशन मार्को, विपिन यादव, नर्मदा पटेल,कुर्सी दौड़ में मुकेश यादव, अब्बद पटेल, नींबू/चम्मच दौड़ में जमादार सिंह धुर्वे, धनीराम उइके, रंगोली/चित्रकला में सीमा राजपूत, सुधर्शन कार्तिकेय, क्रिकेट संचालन में संतराम पटेल, अनिल वाहने, अनिल मार्को सहित अन्य साथियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। फोटोग्राफी एवं मीडिया का दायित्व राजेश पटेल, रमाकांत झारिया एवं रघुनाथ साहू ने संभाला। प्रमाण पत्र तैयार करने का कार्य जयसिंह मरावी एवं गुलाब उइके द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बी.ए.सी. के.सी. पटेल, एम.आर.सी. श्रीमती माधुरी मोरघड़े, चंद्रगुप्त पटेल सहित सभी नोडल शिक्षक, संकुल समन्वयक एवं जनशिक्षकों का विशेष सहयोग रहा। सभी प्रतियोगिताओं के उपरांत प्रतिभागियों को बी आर सी द्वारा लंच बॉक्स, कम्पास बॉक्स, बॉटल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन विकासखंड स्त्रोत समन्वयक हेमसिंह मरावी आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

डिप्टी कलेक्टर श्री जैन को परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण का भी दायित्व

मण्डला। डिप्टी कलेक्टर सचिन जैन प्रशासनिक दृष्टि से शासकीय कार्य को सुचारू रूप से संचालन कराने आगामी आदेश पर्यन्त अस्थायी रूप से अपने कार्य के साथ-साथ परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण का कार्य भी सम्पादित करेंगे।

टंकियों का अधूरा निर्माण, गुणवत्ताहीन निर्माण से आ रही दरार

जलापूर्ति या प्यासे तरसाने का मिशन

*** कई ग्रामों में बंद पड़ी योजना।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

केंद्र सरकार की अति महत्वाकाँक्षी योजना "जल जीवन मिशन,, जिसका उद्देश्य आमजन सहित स्कूल, अस्पताल, आंगनवाड़ी, विद्यालयों, ग्राम पंचायत भवनों आदि में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति करना है, लेकिन योजना के क्रियान्वयन का जिम्मेदार विभाग और इनके अधीन कर्मचारियों ने जिले सहित ग्रामीण क्षेत्रों में योजना की धज्जियां उड़ा दी है।

जिले में योजना के लागू दिनाँक से इस मिशन के तहत अब तक अरबों की राशि भृष्ट तरीके से खर्च की जा चुकी है, जिसका नमूना विभिन्न गांवों में निर्मित अधूरी पानी की टंकियां और सम्पवेल, और घरों में जलापूर्ति हेतु डाले गये बेतरतीब पाइप लाइनों को देखा जा सकता है, वहीँ योजना के अधूरे निर्माण पर आक्रोशित ग्रामीणों का कहना कि योजना के जिम्मेदार दो से ढाई वर्ष पूर्व से पूर्णतः कार्य बंद कर दोबारा देखने तक नहीं आये की उक्त के निर्माण संबंधी पड़ा मटेरियल किस हाल में है।

वर्षों से टंकी निर्माण की सटरिंग लगी है

निवास विकासखंड के बम्हनी, मवई सतपहरी आदि गांवों में पानी टैंकों का अधूरा निर्माण कर वर्षों पहले से कार्य बंद कर दिया गया है, वहीँ कुछ जिन पानी की टंकियों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है इनके निर्माण में भी बेजा स्तर का भ्रष्टाचार किया गया है जिसके चलते ये टंकियां चटक गईं हैं इस स्थिति में अगर इनमें पानी भरा जाकर योजना चालू हुई तो इनके ढ़हने से बड़े जान माल की हानि होने से कोई नहीं रोक पायेगा तब इस संभावित दुर्घटना का जिम्मेदार सिर्फ ₹जल जीवन मिशन,, और इसके कर्ता धर्ता होंगे।

कहीं गलत आंकड़े दिखाकर वाहवाही तो नहीं लूट रहा विभाग

अनेकों गांवों में ₹जल जीवन मिशन,, योजना के जिम्मेदार विभाग ने बड़े साइन बोर्ड में लिख छोड़ा है कि अमुक ग्राम में 200-500 घरों में पेय जलापूर्ति की जा रही है, जबकि ऐसे अनेकों ग्राम के लोगों को या तो पेयजल मिला ही नहीं या योजना बंद हो गई साथ ही पंचायत स्तर की पूर्व से चल रही जल प्रदाय व्यवस्था भी लड़खड़ा चुकी है।

पुराने हैंडपंपों, कूपों में डाली मोटर

विभाग ने कई गांवों में पूर्व से चल रहे हैंडपंपों में जल आपूर्ति क्षमता आंकलन के बिना इनमें अपनी इलेक्ट्रिक मोटर डाल दी, जिससे या तो ये कुछ दिन चले या पूर्व से चल रहे हैंडपंप ही खराब हो गये, या किसी गाँव में ये कह दिया गया कि मोटर गिर गई गई है बाद में ठीक करेंगे लेकिन व्यवस्था नहीं सुधरी। इसी तरह खुले कूपों के दूषित पानी में सबमर्सिबल पंप डाला गया है कुलमिलाकर जिम्मेदार विभाग और इनके भृष्ट ठेकेदारों ने योजना की गाइड लाइन के विरुद्ध जाकर क्षेत्र की गरीब जनता को दूषित पानी पिलाने की तैयारी कर रहा है, साथ ही अरबों की योजना में पलीता लगा रहा है।

वार्ड क्रमांक 4, 5 के शमशान में शेड निर्माण कार्य हुआ प्रारंभ

*** अध्यक्ष रजनी मरावी ने कराया कार्य प्रारंभ।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

नगर परिषद भुआ बिछिया क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 04 में विगत कई वर्षो से दाह संस्कार कर्मकांड के लिये व्यवस्थित श्मशान शेड की मांग वार्डवासियों के द्वारा की जाती रही हैं जिसमें वर्षाकाल में कठनाईयों का सामना करना पड़ता था। उक्त समस्या को संज्ञान लेते हुये जिससे वार्डवासियों के द्वारा पार्षद विकास गवले एवं नगर परिषद के पदाधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याओं रखी जिसके निराकरण हेतु विशेष सम्मेलन परिषद बैठक में अध्यक्ष रजनी मरावी, उपाध्यक्ष रानू रणधीर सिंह राजपूत व मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस व समस्त पदाधिकारियों के द्वारा प्राथमिकता के तहत निकाय निधि से श्मशान शेड निर्माण कार्य हेतु प्रक्कलन तैयार करने के निर्देश एच.आर. कुरेशी उपयंत्री को दिये गये थें परिषद की सर्वसम्मति से शेड निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई जिसके तहत आज वार्ड क्रमांक 04 एवं 05 व अन्य नगर वासियों को दाह संस्कार हेतु सुविधा प्राप्त होगी जिसका कार्य प्रारंभ से पूर्व विधि विधान से पूजा अर्चना कर श्मशान शेड का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया हैं जिसमें ठेकेदार को मौका स्थल में शीध्र शेड तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं उक्त कार्य प्रारंभ पूजन में अध्यक्ष रजनी मरावी, वार्ड क्रमांक 04 पार्षद विकास गवले, वार्ड क्रमांक 09 पार्षद पूनम रजक, कपिल नंदा, आशीष नंदा कर्मचारी व वार्डवासी उपस्थित रहें।

बी पेक्स मंडला सेमरखापा समिति का गठन

मण्डला। बी पेक्स मंडला समिति के पुनर्गठन में सेमरखापा समिति का गठन आमसभा के द्वारा करते हुए। पवन पटेल को सर्वसम्मति द्वारा अध्यक्ष नियुक्त किया गया एवं उपाध्यक्ष मुन्ना कुशराम को नियुक्त किया गया। समस्त संचालक मंडल नियुक्त किया गया। दिनांक 3/12/2025 को पुनर्गठन समिति बनाई गईं समिति के अध्यक्ष श्री पवन पटेल जी को।। सहायक आयुक्त के द्वारा पंजीयन प्रमाण पत्र सौंपा गया।

जिले की कुश्ती टीम तैयार, 05 को उज्जैन के लिए होगी रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

उज्जैन में आयोजित होने वाली सीनियर मध्य प्रदेश महिला/पुरुष राज्य स्तरीय कुश्ती स्पर्धा के लिए मंडला के पहलवान पूरी तरह तैयार है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 06 से 07 दिसंबर 2025 तक उज्जैन क्षीर सागर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश से लगभग 45 से 50 जिलों की टीम के साथ सर्विसेस के पहलवान भाग ले रहे हैं। जिला कुश्ती संघ मंडला के सह-संयोजक चंद्रशेखर सिंधिया ने बतलाया: "उज्जैन में होने वाली यह राज्य स्तरीय कुश्ती मंडला के पहलवानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारी टीम अनुशासन, मेहनत और संकल्प के साथ तैयार हुई है। हमें विश्वास है कि हमारे पहलवान उत्कृष्ट प्रदर्शन करके मंडला का परचम ऊँचा करेंगे। जिला कुश्ती संघ मंडला खिलाड़ियों को सर्वोत्तम सुविधाएँ और हर संभव समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।" पूर्व मंडला शेर, राष्ट्रीय पदक विजेता, रिटायर्ड डीएसपी महादेव पहलवान ने बतलाया कि: "प्रदेश के सभी जिलों के श्रेष्ठ पहलवानों के बीच प्रतिस्पर्धा करना हमारे पहलवानों के अनुभव और आत्मविश्वास को और मजबूत करेगा। जिलेवासियों के आशीर्वाद से यह दल निश्चित रूप से शानदार उपलब्धियाँ हासिल करेगा।" विगत कुछ वर्षों से मंडला जिले के ग्रामीण पहलवानों का प्रदर्शन में निरंतर सुधार ने बड़ी प्रतियोगिताओं में मंडला की कुश्ती के क्षेत्र में स्थिति को पूर्व जैसे मजबूत किया है जिले के वरिष्ठ पहलवानों का मानना है कि इस बार भी जिले के पहलवान कई वज़न वर्गों में पदक के दावेदारों की सूची में शामिल है । पहलवानों को उत्साह वर्धन करने हेतु "महावीर इलेक्ट्रिकल्स मंडला" की ओर से टी-शर्ट प्रदान की गई । जिले के कुश्ती दल में आशीष सिंधिया 57 kg फ्रीस्टाइल, संजय सिंधिया 61 kg फ्रीस्टाइल, शीतल चक्रवर्ती 65 kg फ्रीस्टाइल, शिवकुमार कुरवेती 74 kg फ्रीस्टाइल, श्यानसुंदर बर्मन 79 kg फ्रीस्टाइल एवं व्यास कुमार उइके ग्रीको रोमन 55 kg आदि पहलवान शामिल हैं जबकि कोच के रूप में कुलदीप सिंधिया एवं बालवीर उइके साथ रहेंगे।

सौगात | **अनुपूरक बजट में प्रकाशन से ग्रामीणों में उत्सव जैसा माहौल।**

ग्राम बाघंडी को मिली सड़क की सौगात

*** वर्षो से की जा रही थी इस सड़क की मांग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/मवई

ग्राम बाघंडी सहित पूरे मवई क्षेत्र में मंगलवार को उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। वर्षों से सड़क निर्माण की मांग कर रहे ग्रामीणों को आखिरकार वह सुखद समाचार मिला, जिसका वे दशकों से इंतजार कर रहे थे। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने विधानसभा सत्र के दौरान भोपाल से ही दूरभाष एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि मवई–कुडेला मार्ग से ग्राम बाघंडी को जोड़ने वाली सड़क को मध्यप्रदेश शासन ने अनुपूरक बजट में स्वीकृति प्रदान कर दी है।

89	[illegible]	[illegible]	1.50	187.00	100.00
90	[illegible]	[illegible]	2.00	300.00	100.00
91	[illegible]	[illegible]	2.20	275.00	100.00
92	[illegible]	[illegible]	2.80	312.50	100.00
93	[illegible]	[illegible]	4.20	525.00	100.00
94	[illegible]	[illegible]	5.00	450.00	100.00
95	[illegible]	[illegible]	1.20	195.00	100.00
96	[illegible]	[illegible]	2.51	300.00	100.00
97	मंडला	[illegible]	5.00	600.00	100.00
98	मंडला	[illegible]	3.00	600.00	100.00
99	मंडला	[illegible]	4.00	700.00	100.00
100	मंडला	[illegible]	2.50	500.00	100.00
101	[illegible]	[illegible]	2.00	513.00	100.00
102	[illegible]	[illegible]	4.50	653.93	100.00

आजादी के बाद से बाघंडी गाँव तक पहुँचने के लिए केवल कच्चा मार्ग ही उपलब्ध था। बरसात के दिनों में यह रास्ता दलदली हो जाता था, जिस कारण ग्रामीणों को आवागमन में बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई बार मरीजों को समय पर अस्पताल नहीं ले जाया जा सका क्योंकि एंबुलेंस डायल 108 और पुलिस सेवा 112 गाँव तक पहुँच ही नहीं पाती थी। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती थी।

विद्यार्थियों और किसानों की बड़ी समस्या अब होगी खत्म

सड़क न होने का सबसे ज्यादा असर विद्यार्थियों और किसानों पर पड़ता था। बच्चे बारिश के दिनों में कीचड़ भरे रास्ते से गुजरकर स्कूल पहुँचते थे, वहीं किसानों को अपनी उपज बाजार तक ले जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ती थी। अब नई सड़क बनने से शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि से जुड़े सभी कार्यों में सुगमता आएगी।

विधायक के निरंतर प्रयासों का परिणाम

बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा इस सड़क निर्माण को लेकर लंबे समय से निरंतर प्रयासरत थे। उन्होंने कई बार मंचों से और विभागीय बैठकों में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्हीं के प्रयासों के परिणामस्वरूप यह स्वीकृति अब संभव हो सकी है। ग्रामीणों ने इसे "ऐतिहासिक निर्णय" बताया है।

ग्रामीणों ने व्यक्त किया आभार

सड़क स्वीकृति मिलने की सूचना मिलते ही ग्राम बाघंडी व आसपास के क्षेत्रों में हर्ष का माहौल फैल गया। टिकरिया सरपंच रमेश सैयाम, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष बोधू मरावी,उपसरपंच टिकरिया प्रदीप धुर्वे, आनंद मार्को, प्रह्लाद, पुरुषोत्तम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने खुश होकर विधायक नारायण सिंह पट्टा के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे पूरे क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

हरिभूमि

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

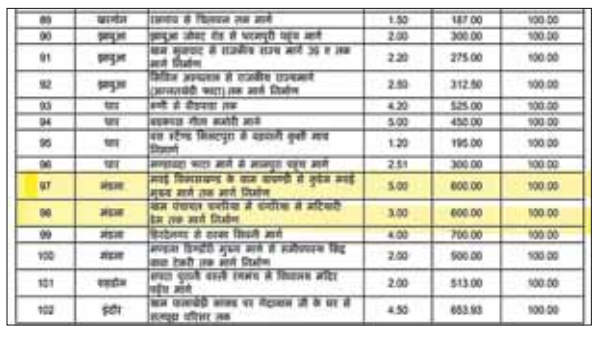

रायपुर संस्करण - 371. मेश पटेल पिता\पति ईश्वर पटेल पता- चंगोरा भाटा रायपुर, 372. हेमांगी शांडिल्य पिता\पति अमृत शांडिल्य पता– रायपुर, 373. हरिशंकर चंद्राकर पिता\पति स्व. फूलसिंह चंद्राकर पता- सुन्दर नगर रायपुर, 374. रूप राम साहू पिता\पति चैन सिंह साहू पता - बोरिया खुर्द रायपुर, 375. मिथलेश आडिल पिता\पति अजीत राम आडिल पता- राम नगर चंगोरा भाठा रायपुर, 376. रूपराम देवांगन पिता\पति घसिया राम देवांगन पता- मथपुरेना रायपुर, 377. सृष्टि चंद्राकर पिता\पति देवेन्द्र कुमार चंद्राकर पता- छत्तीसगढ़ नगर टिकरापारा रायपुर, 378. जितेश कुमार देवांगन पिता\पति बलदेव देवांगन पता- शहीद भगत सिंह चौक टिकरापारा रायपुर, 379. एशिता सेन पिता\पति जितेन्द्र सेन पता- छत्तीसगढ़ नगर टिकरापारा रायपुर, 380. त्रिशा सिन्हा पिता\पति पदमलोचन सिन्हा पता- मोहंदा तरपोंगी रायपुर, 381. अनन्या साहु पिता\पति रोशन लाल साहु पता- सरकडा पोस्ट पांडुका, 382. देवानंद साहू पिता\पति महेतरू राम साहू पता- दहदहा धमतरी, 383. लता बाई साहू पिता\पति सनत राम साहू पता- बकली कुरूद धमतरी, 384. सैय्यद मख्मूद अली पिता\पति सैय्यद महमूद अली पता- सिहावा चौक धमतरी, 385. थानेखर सिन्हा पिता\पति राम कुमार सिन्हा पता- भोथिपार खुर्द नयापारा राजनादगांव, 386. पशुपति नाथ ताम्रकार पिता\पति स्व. शंकर लाल ताम्रकार पता- गैंदाटोला राजनादगांव, 387. सुनीता सोनी पिता\पति राकेश कुमार सोनी पता- सोनार पारा राजनादगांव, 388. चित्रांश चौहान पिता\पति हेमंत कुमार चौहान पता- बेमेतरा, 389. झामिन देवांगन पिता\पति हरीश कुमार देवांगन पता- सरगपाल कांकेर, 390. ईश्वर चंद खिस्ती पिता\पति स्व. सूर्यकान्त खिस्ती पता- चितौद पुरुर धमतरी, 391. सरिता राव पिता\पति M.G. राव पता- नयापारा जगदलपुर, 392. राजेंद्र सिदार पिता\पति बासुदेव सिदार पता- अयोध्या नगर महासमुंद, 393. बेला शर्मा पिता\पति विजय कुमार शर्मा पता- AH\34 कलेक्टर कॉलोनी कवर्धा, 394. कुंदन वर्मा पिता\पति भेलेंद्र कुमार वर्मा पता- अर्जुनी, 395.मिथलेश ठाकुर पिता\पति लक्ष्मा ठाकुर पता- डी.एन. के. कोंडागांव, 396. हर्षित टंडन पिता\पति द्वारिका प्रसाद पता- क्वा.2/C 15 जोन- 1 खुर्सीपार, 397. निर्मल सिंह पिता\पति स्व.तेजा सिंह पता- Q.N.-90/J कैंप -01 भिलाई, 398. केशव दास साहू पिता\पति दानी राम साहू पता-वार्ड न.-27 सुभाष नगर खुर्सीपार भिलाई, 399. खिलेश देवांगन पिता\पति चैत लाल देवांगन पता- क्वा. न. 5\H जोन-01 खुर्सीपार भिलाई, 400. अन्नपूर्णा साहू पिता\पति तुला राम साहू पता-रामनगर भिलाई, 401. चैतन्य साहू पिता\पति तेजप्रकाश साहू पता-अंजोरा दुर्ग, 402. रेखचंद ठाकुर पिता\पति रोमन ठाकुर पता- गनियारी दुर्ग, 403. सतीश देवांगन पिता\पति स्व.जीवन लाल देवांगन पता- कोष्टा पारा देवांगन, 404. पंकज कुमार पटेल पिता\पति स्व. नन्द कुमार पटेल पता- पटेल पारा वार्ड क्र.57 उरला दुर्ग, 405. समय लाल साहू पिता\पति नजऊ राम साहू पता-पुरनी बस्ती पोटियाकला दुर्ग, **बिलासपुर संस्करण**- 406. नारायण कुमार सोनी पिता/पति -महेंद्र कुमार सोनी पता– बड़ौदा, 407. दिनेश देवांगन पिता/पति लखन लाल देवांगन पता- मेन रोड गांधी चौक सिवनी चांपा, 408. अननिया शराफ़ पिता/पति यशवंत शराफ़ पता– बलौदा, 409. महेंद्र कुमार सोनी पिता/पति शिव कुमार सोनी पता- बलौदा सोनरपारा, 410. अखिलेश्वर प्रसाद पिता/पति स्व. रेशम लाल पता- पौना जांजगीर, 411. अरुण कुमार यादव पिता/पति प्रकाश चंद यादव पता- खोखासा वार्ड- 4 जांजगीर, 412. रामेश्वर कुमार सूर्यवंशी पिता/पति पीसोद जांजगीर, 413. विकेश यादव पिता/पति रघुलाल यादव पता- पुरानी बस्ती नैला वार्ड-4, 414. पीयूस यादव पिता/पति तिवारी पारा खरौद नगर जांजगीर रायगढ़ जिला 415. रूप दर्शन पिता/पति अजय कुमार दर्शन पता- केलो विहार कालोनी, 416. ललित गुप्ता पिता/पति श्याम चंद्र गुप्ता पता- कंसबेल 417. लालिमा चौहान पिता/पति जीवरधन चौहान पता- बेलाडुल खररघाट, 418. जीवर्धन प्रसाद चौहान पिता/पति स्व. सुकमुना चौहान पता- बेलाडुल रायगढ़ 419. श्याम सिंह ठाकुर पिता/पति स्व. अमरनाथ सिंह ठाकुर पता- दारोगपारा रायगढ़ मुंगेली जिला, 420. प्रिया तंबोली पिता/पति मनीष तंबोली पता- शिक्षक नगर आंबेडकर वार्ड मुंगेली 421. श्रृंखला शर्मा पिता/पति चंद्रशेखर शर्मा पता- मुंगेली, 422. डॉली श्रीवास पिता/पति कमलेश श्रीवास पता- अग्रसेन वार्ड, 423. संतोष कुमार पाठक पिता/पति स्व. सलिक राम पाठक पता- मुंगेली, 424. अक्षय कुमार देवांगन पिता/पति राजेश देवांगन पता- पड़ाव पारा मुंगेली, 425. रितिका देवांगन पिता/पति बसंत देवांगन पता- आंबेड़कर वार्ड मुंगेली, 426. धीरज बांध पिता/पति संदीप बांध पता- मिशन कम्पाउन्ड मुंगेली, 427. दिवांश पटेल पिता /पति वार्ड-1 सूरदा देवरी, 428. आंचल पटेल पिता/पति वार्ड-1 सड़क पारा सूरदा देवरी मुंगेली, **भोपाल संस्करण** - 429. अंशुल सेन पिता\पति विनोद सेन पता- ई-6 जनता कॉलोनी अरेरा कॉलोनी, 430. पूजा सेन पिता\पति विनोद सेन शाहपुरा, 431. रोशन रैकवार पिता\पति विमल रैकवार पता- 21 श्याम नगर भोपाल, 432 .दिनेश कुमार पटेल पिता\पति रामसलोने पता-पटेलशॉप 18 मेट्रो वॉक विटटन मार्केट, 433. रवि कुमार पाण्डेय पिता\पति किशन पाण्डेय पता-विश्वकर्मा नगर, 434. नीरज चौबे पता- विदिशा पेढ़ी स्कूल के पास, 435. रानी कुशवाह पिता\पति सुनील कुशवाह पता- विदिशा, 436. आदित्य सक्सेना पिता\पति मनोज सक्सेना पता- मकान नं.115 फेस-3 अरिहंत विहार विदिशा, **जबलपुर संस्करण** 437. नरेंद्र कुमार जैन पिता\पति स्वर्गी कोमल चंद्र जैन गोल बाजार जबलपुर, 438. प्रेमा नारायण पिता\पति बसु देव संजय गांधी नगर कटंगा जबलपुर, 439. अंश सोनोने पिता\पति शरद सोनोने पता- 970 मंजू पर्थ दीक्षित पूरा उपरैनगंज डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद वार्ड जबलपुर, 440. प्रिथम नायक पिता\पति प्रदीप नायक पता- नेहरू वार्ड क्रमांक 8 पाटन, 441. सुजीत कुमार द्विवेदी पिता\पति श्री रमेश प्रसाद द्विवेदी वार्ड नंबर 1 अनूपपुर, 442. जितेंद्र गौतम पिता\पति स्वर्गीय बाला प्रसाद गौतम अनूपपुर कोतमा, 443. आरती गुप्ता पिता\पति अभिनेश गुप्ता वार्ड नंबर 6 पुरानी बस्ती कोतमा, 444. अर्चित पांडे पिता\पति भानु कुमार पांडे कोतमा।

नियम एवं शर्ते लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

खबर संक्षेप

ग्रामीणों को पता ही नही चल पता और खत्म हो जाती है सरकारी योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जहां एक ओर सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सहायता प्रदान करने के उद्वेश्य से अनेक प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाए चला रही है,वही दूसरी ओर देखा जावे तो पंचायतों में बैठे जनप्रतिनिधियों तथा पंचायत के कर्मियों की उदासीनता तथा मनमानी के चलते ज्यादातर ग्राम पंचायतो की हालत खराब है? जिसके उदाहरण जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचयातों में आसानी से देखने को मिल सकते है, जहां पर बताया जाता है कि जनपदो में बैठे बाबूओं व ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिवों की मनमानी का शिकार होकर यह शासन की योजनाएं हितग्राहियों तक पहुचने के पहले ही दम तोड़ने से नही चूक पाती हैं? क्योंकि ग्राम पंचायतो में आने वाली कोई भी योजनाओ का क्रियान्वयन सरपंच और सचिवों की मर्जी पर होता हैं, यही कारण है कि शासन की अच्छी से अच्छी योजना का लाभ सभी पात्र उपभोक्ताओं को कम लेने की बजाय कुछ स्वार्थी तथा जनप्रतिनिधियों के नजदीकी लोगो तक ही सिमटता हुआ आने से नही चूकती है? ग्राम पंचायतों की इस तरह की गतिविधियों को रोकने के लिये ही ग्राम पंचायतों को कार्य को करनें के पूर्व ग्राम सभाओं में प्रस्ताव को पारित कराया जाना अनिवार्य किया गया है, परंतु ये ग्राम सभाये भी अब औपचारिकता पूर्ण हो गई है, जिनमें न तो उपस्तिथि हो पाती है और न ही निर विवाद प्रस्ताव पारित हो पाते है। दरअसल कतिपय सरपंच या सचिव ग्राम पंचायतो की ग्रामसभाओं के आयोजन की सूचना तक सभी को समय पर पहुँचाना जरूरी नही समझते है और ग्रामीणजन सूचना के आभाव में भी ग्राम सभाओं में उपस्थित होने में कतराते है। यही कारण है कि क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायतो में ग्राम सभाओ की बैठकों मे उपस्थिति आधी से भी कम होती है, जबकि प्रस्ताव पारित करने के लिये दो तिहाई उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है, मगर क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायतों की मुश्किले यह है कि वे इस न्यूनतम स्थिति के फेर में पडें रहें तो वे एक भी प्रस्ताव पारित कराकर काम नहीं करा सकते, इसका हल तो यही है कि या तो ग्राम सभाओं में अपने लोगों को इकटठा करके ग्रामसभाओं की कार्यवाही पूर्ण कर ली जाये अथवा घर घर रजिस्टर भेजकर उपस्थिति के हस्ताक्षर करा लिये जायें अथवा फर्जी अंगूठे के लगाकर दो तिहाई उपस्थिति का रिकार्ड तैयार कर प्रस्ताव पारित कर लिया जाये? ग्राम पंचायतो की इसी दुविधा के चलते आम ग्रामवासी पंचायत अधिनियम की परिकल्पना के अनुसार ग्राम विकास में सहभागी नहीं हो पाता, यहां तक कि अनेक लोग तो यह भी नही जानते कि उनके ग्राम में क्या क्या कार्य होने वाला है और कौन सा कार्य किस निधि ताथा कितनी राशि से पूर्ण किया गया है तथा शासन की कौन कौन सी योजनाये चल रही हैं, जिसके चलते अनेक पंचायतों द्वारा तो शासन की दूसरी योजनाओं से पूर्ण हुये कार्यो को भी अपनी पंचायत के बताते हुये जनता की नजरों में वाही वाही लूटने से भी नही चूकते है? बहरहाल ग्राम पंचायतों को कार्यकाल का अंतिम बेला की ओर चल रहा है और आम आदमी इससे उकसाइट महसूस करने लगा हैं?

ग्रामीण क्षेत्रों में कागजों के हिसाब से तो नियुक्त है स्वास्थ्य कर्मी, मगर चक्कर काटते है लोग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में अनेक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापति किये गये है, मगर यदि ईमादारी से देखा जावे तो इन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा रही है? एक तरफ मौसमी बीमारियों का प्रकोप होने के साथ साथ इस समय कोरोना वायरस की दहशत संपूर्ण क्षेत्रवासियों को दहशत में डालने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कमी नर्स व मलेरिया वर्कर अपने मुख्यालय से गायब रहतें है? ऐसे में टीकाकरण सहित शासन द्वारा ग्रामीणजनों के नाम पर चलाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का क्या हाल होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। शायद ही इसका किसी के पास कोई जबाव हो? वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस समय लगातार फैल रही मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते हुये क्रम में देखने मिल रही है।

स्वास्थ्य विभाग से जुडे हुये कर्मचारियों द्वारा चोरी छिपे अपने घरों में किया जा रहा है सरकारी दवाईयों का उपयोग..?

खुले मैदान में इस तरह दवाईयों का फेंकना बन सकता है बड़ी घटना का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा शहरों से लेकर गांव गांव मुहिम चलाते हुये स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि जिस तरह जिम्मेदार लोगों द्वारा ही खुले मैदानों में सामग्री फैकी जा रही है उसके चलते स्वच्छता अभियान को तो ग्रहण लग ही रहा है। वही दूसरी ओर यह सामग्री मूक पशुओं के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से भी नही चूक पायेगी..? मुख्य रूप से देखा जावे तो चिकित्सा से जुडी हुई सामग्री को खुले मैदान में फैकना प्रतिबंधित होता है। बताया जाता है कि इसके लिये निर्धारित माप दूंडों के आधार पर उपयोग करने के बाद वनष्टिकरण किये जाने के प्रावधान है..? मगर शहरों से लेकर गांव गांव पैदा हो रहे झोला छाप डाक्टरों द्वारा जहां मरीजों का उपचार करने के लिये शासन के सभी नियमों की अनदेखी करते हुये लोगों की जिन्दगी के साथ खलावाड करने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर जिस तरह सरकारी चिकित्सालयों में उयोग होने वाली सामग्री के ऊपर स्पष्ट अक्षरों में लिखा होता है कि नॉट फार सेल यानि की यह सामग्री विक्रय के लिये नही है सिर्फ मरीजों के लिये निःशुल्क प्रदान करने के लिये है। मगर इस प्रकार की सामग्री जब उपयोग होने के बाद खुले मैदान में पड़ी हुई दिखाई दे रही है तो निश्चित तौर से शासकीय चिकित्सालयों में मरीजों के लिये निःशुल्क प्रदान की जाने वाली सामग्री में होने वाली

गफलबाजी की सच्चाई उजागर होने से नही चूक पा रही है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई आये दिन शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सड़को के किनारे फैकी हुई स्थिति में दिखाई देने से नही चूक पा रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई कुछ दिनों पहले नगर के वायपास मार्ग पर देखने मिली थी। इसके बाद कुछ इसी तरह का नजारा समीपस्थ बोहानी के पास देखने मिलना अनेक सबालों को जन्म देते हुये प्रतीत हो रहा है..? जिस प्रकार से सड़क किनारे भारी मात्रा में चिकित्सा सामग्री जो

उपयोग होने के बाद खाली हुये इजेक्शन, मरीजों को चढ़ाई जाने वाली वाटल व कांच शीशी युक्त एजेक्शन लगाने के लिये उपयोग होने वाली सीरेंज पिन तथा अनेक प्रकार की सीरप की खाली शीशी जिन पर लिखा हुआ था नॉट फार सेल जो भारी मात्रा में सड़क किनारे खुले मैदान में फैका गया है। इस तरह खुले मैदान में उपयोग की गई चिकित्सा सामग्री फेकने के चलते बच्चों के साथ साथ मूक पशुओं की जिन्दगी को भी खतरा पैदा करने से नही चूक रही है। यदि इस क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यहां से बोहानी स्वास्थ्य केन्द्र की दूरी अधिक होने के चलते यह बात तो स्पष्ट है कि इस सामग्री को चिकित्सालय द्वारा तो फैकी नही गई होगी? मगर यह बात स्पष्ट है कि जिस जगह पर यह सामग्री फैकी गई है उस स्थान से बोहानी स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ अनेक कर्मचारियों की क्वाटरे काफी नजदीक जरूरी बनी है। इस सच्चाई से यह बात उजागर होते हुये जान पड़ रही है कि स्वास्थ्य विभाग की इन क्वाटरों में निवास करने वाली विभाग के ही कर्मचारियों द्वारा अपने घरों पर नियमों के विपरित डाक्टरी करते हुये मरीजों को निःशुल्क प्रदान की जाने वाली दबाईयों के माध्यम से जेबे तो नही भरी जा रही है..? खैर सच्चाई जो भी हो। मगर इस तरह खुले मैदान में फैकते हुये आमजन के साथ साथ मूक पशुओं की जिन्दगी को खतरे में डालने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है..? इस प्रकार खुले मैदान भारी मात्रा में फैकी गई चिकित्साल सामग्री जहां सरकार के स्वच्छता अभियान को ग्रहण लगाते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र को प्राप्त होने वाली नॉट फार सेल की दबाईयों को कर्मचारियों द्वारा किस तरह उपयोग किया जा रहा है इसकी पोल खुलने से भी नही चूक पा रही है? इस तरह कचरे के रूप में चिकित्सा सामग्री पड़ी होने के चलते निश्चित तौर से एक बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? क्योंकि चिकित्सा विभाग से जुडे हुये लोगों के अनुसार बताया जाता है कि चिकित्सालय से निकलने वाले इस तरह की सामग्री को निर्धारित स्थल पर रखने के बाद एक निर्धारित जगह नष्ट किया जाता है। क्योंकि खुले मैदान में इस तरह फैके जाने के चलते यदि किसी पशु या फिर बच्चें के हाथ लग जाती है तो उनकी जिन्दगी को खतरा बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

बीटीआई स्कूल में नशा मुक्ति पर व्याख्यान माला आयोजित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बच्चों को नशे से बचाने की सोच के चलते बीते हुये दिवस स्थानीय पीएमश्री शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (बीटीआई) में नशा मुक्ति पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्राध्यापक आर के कौरव ने छात्रों को नशे के दुष्परिणाम बताते हुए कहा कि दुर्भाग्य का विषय है कि युवा पीढ़ी नशे की आदी होती चली जा रही है। क्योंकि युवाओं में बुरी संगत के चलते अच्छे युवा भी नशे की लत का शिकार होते हुये दिखाई देने लगे है..? नशीली सामग्र का सेवन करना जिस तरह युवाओं में अपनी शान महसूस की जा रही है वह निश्चित तौर से उनके भविष्य को तबाह करने की ओर ले जाने से नही चूकती है। क्योंकि नशे की जननी तम्बाकू है इसका जहर कैंसर जैसी बीमारियों को जन्म देता है और लोग अपनी जान गवाँ देते है। जबकि किसी भी नशील पदार्थ के पैकिट पर देखा जावे तो खुले शब्दों में लिखा होता है कि इसका सेवन करना आपकी जिन्दगी को खतरा पैदा करता है। मगर इसके बाद भी पढ़े लिखे लोग इसका सेवन करने में पीछे नही रहे रहे है यह चिंता जनक है..। इस दौरान उन्होने छात्रों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुये दूर रहने के लिये प्रेरित किया गया। इस दौरान उन्होने छात्रों से आव्हान किया कि वे नशे से दूर रहें और नशा मुक्ति हेतु अभियान चलाकर अपने आस पास के लोगों को भी सचेत करें। इस कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती सुनीता पटैल सहित स्कूल स्टॉफ व छात्र उपस्थित रहें।

गांजे की तस्करी के लिये घूम रहे जबलपुर निवासी दो युवकों के पास पुलिस ने जप्त किया गांजा सहित मोटर साईकिल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मादक पदार्थो के अवैध कारोबार पर अंकुश लगातने के लिये जिला अधीक्षक ऋषिकुमार मीना के कुशल नेतृत्व में में चलाया जा रहा '' OPERATION EAGLE CLAW'' के असमाजिक तत्वों एवं अवैध कारोबारियों के विरूद्ध निरंतर की जा रही कार्यवाही। इसी के चलते अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्ग दर्शन व उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा अपने थाना क्षेत्र में मादक पदार्थो का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ घुमाये जा रहे डंडे के चलते लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस गाडरवारा पुलिस द्वारा जबलपुर से गाडरवारा क्षेत्र में गांजे की तस्करी करने के लिये बगैर नम्बर की मोटर

साईकिल से घूम रहे दो युवकों को गिरप्तार करने में सफलता हासिल की गई है। बताया जाता है कि जब गाडरवारा पुलिस द्वारा क्षेत्र में गस्त की जा रही थी उसी दौरान गाडरवारा कौड़िया रोड मजार के पास एक बगैर नम्बर की मोटर साईकिल के साथ जा रहे दो युवकों को को संदेह के आधार पर रोकते हुये जब उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास से पुलिस को सात किलो ग्राम से अधिक मात्रा में गांजा पाया गया। इस तरह युवकों से पूछताछ किये जाने पर उन्होनें अपना नाम बलीजत सोहल व सुनील बैन दोनों निवासी जबलपुर। इस तरह पुलिस द्वारा युवकों के पास से लगभग डेढ़ रूपया कीमत का अवैध गांजा सहित बगैर नम्बर की पल्सर मोटर साईकिल को जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ धारा 8, 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये गिरप्तार करते हुये मा. न्यायालय के समक्ष पेश करते हुये रिमार्ड पर लेकर पूछताछ की गई है। इस सफलता में निरीक्षक विक्रम रजक, सहायक उप निरीक्षक राजेश शर्मा, प्रधान आरक्षक राम गोपाल सिंह राजपूत, शिवकुमार, आरक्षक रूपेन्द्र चौबे ,महेन्द्र बावरिया, सौरभ मिश्रा, बाल कृष्ण रघुवंशी बल्लू, सुजीत बागरी, ऐश्वर्य वेंकट, शिशु पाल सिंह तोमर, कुमुद पाठक, गीता अग्रवाल की विशेष भूमिका बताई जाती है। इस कार्यवाही को लेकर पुलिस का कहना है कि हमारी प्राथमिकता युवा पीढ़ी को नशे से बचाना है।

छात्र छात्राओं को साईकिल मिलने से चेहरों में दिखाई दी अनोखी मुस्कान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के लिये जिस तरह अनेक प्रकार की योजनायें चलाते हुये सहयोग प्रदान किया जा रहा है उसके चलते निश्चित तौर से आर्थिक स्थिति के आभाव में पढ़ाई से बंचित रहने वाले छात्र छात्राओं का इसका लाभ मिलने के चलते वह शिक्षा में आगे की ओर बढ़ने से नही चूक रहे है। क्योंकि शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के लिये निःशुल्क ड्रस, पुस्तको के आलवा भोजन और अब आने जाने के लिये साईकिले तक प्रदान की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस साईखेड़ा ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम डूंगरिया शासकीय हाई स्कूल में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को म.प्र. शासन की ओर से निःशुल्क साईकिल वितरण योजना के तहत साइकिलें वितरण की गई। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच अशोक गुर्जर, जनपद सदस्य बुद्धा ठाकुर के आलवा विद्यालय के प्राचार्य देवेंद्र कुमार पगारे तथा अतिथि शिक्षक नारायण सिंह लोधी, अभिषेक पटेल, पंकज पाठक, नीरज पाठक, बृजेश पटेल व छात्र छात्राओं के अभिभावक मौजूद थें।

इस तरह की लाईनों से यदि कोई घटना घटित होती है तो कौन होगा जिम्मेदार...?

हरिभूमि न्यूज/ सडूमर । जहां एक ओर आये दिन देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवों में किसानों सहित अन्य उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल अदा नही किये जाने के नाम पर जिस प्रकार से बसूली करते हुए उन्हें अपमानित करते हुए जबरन घरों में रखे हुए समान की जप्ती तो की जाती है। मगर वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि जिस तरीके से बिजली विभाग द्वारा बिल बसूरी का तरीका अपनाया जाता है क्या उस तरीके से लोगों को बिजली उपलब्ध कराये जाने के साथ साथ उन्हें बिजली तारों से होने वाली घटनाओं की क्षति का सहयोग प्राप्त किया जाता है? क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवो के साथ साथ किसानों के खेतों में बिजली सप्लाई हेतु जो बिजली लाईने खीची गई है उनका वर्षो से सुधार कार्य नही किये जाने तथा उनका रख रखाब नही होने के कारण जहां तारों ने झूलता का रूप धारण कर लिया गया है और आये दिन देखा जाता है कि जब हवा चलती है तो यह झूलते हुए तार एक दूसरे से टकरा जाने के कारण चिंगारी

छोडते है जिसके चलते जहां गांवों में किसी बड़ी घटना घटित होने की आंशका बनी रहती है? वही दूसरी ओर अनेको बार तो देखा जाता है कि किसानों के खेतो से निकली हुई बिजली लाईनों से निकलने वाली चिंगारी के चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले भी जलकर खाक होने से नही बच पाती है। इस स्थिति में शायद ही बिजली विभाग द्वारा किसी किसान को आज तक कोई सहयोग के रूप में राशि उपलब्ध कराई गई हो? मगर सिर्फ किसान द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली बिलों की बसूली के नाम पर जरूर किसानों को परेशान किया जाता रहता है, इतना ही नही गांवों में निकली हुई बिजली लाईन की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई है कि आये दिन उसमें चिंगारी देखने मिलती, मगर इस ओर न तो बिजली विभाग ध्यान देता है और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जिसके चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ने के साथ साथ क्षेत्र के किसानों को हर वर्ष भारी क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है।

गांव के पास के किसानों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर

नालियों का गंदा पानी खेतों में पहुंचने के लिये किसानों को करना पड़ रहा है क्षति का सामना

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। जहां गांव के विकास को लेकर सरकार द्वारा मनमानी राशि प्रदान करते हुये स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। मगर इसके बाद भी जब गांवों में गंदगी का आलम देखने मिले तो निश्चित ही पंचायत की भूमिका पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कौड़िया में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि पंचायत द्वारा गांव के अंदर से निकलने वाले गंदे पानी के लिये उचित प्रबंध नही किये जाने के चलते जहां गंदगी का आलम देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर गांव के पास के किसानों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। बताया जाता है कि गांव के अंदर से निकलने वाले नालियों का गंदा पानी किसानों के खेतों में जाने के चलते जहां उनकी फसले खराब हो रही है तो दूसरी ओर गंदगी का आलम होने के चलते किसानों को खेती करने के दौरान बीमारियों की गिरप्त में आने का

भय सताने से नही चूक रही है। इस तरह पीड़ित किसानों का कहना है कि इस संबंध में अनेको बार पंचायत सहित सक्षम अधिकारियों को गांव से निकलने वाले गंदे पानी के उचित प्रबंध किये जाने के लिये गुहार लगाये जाने के बाद भी किसी तरह से कोई कार्यवाही नही किये जाने के कारण लगभग एक दर्जन किसानों को हर साल अपनी फसल को लेकर क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। इस तरह पंचायत की उदासीनता के चलते जहां किसानों में आक्रोश फैल रहा है। वही दूसरी ओर पीड़ित किसानों द्वारा बीते हुये दिवस अनुविभागीय अधिकारी सहित पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन देते हुये अपना निरोध जताते हुये कार्यवाही क मांग की गई है।

ड्राइंग, कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, रंगोली, चित्रकला, चम्मच दौड़, मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन

मुस्कराते हुये दौड़े दिव्यांगों के पुरस्कार मिलते ही खिले चेहरे

हरिभूमि न्यूज/चीचली

निश्चित ही दिव्यांग जनों के लिये सरकार द्वारा अनेक प्रकार की योजनाये चलाई जा रही है। मगर जब उन्हें कोई पुस्कार मिलता है तो उनके दिलों में उमड़ने वाली उमंग की कल्पना करना भी मुश्किल हो जाता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इन दिव्यांगजनों में पीतल नगरी में उस समय देखने मिली जब उन्हें राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशों के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुराख्या तथा जिला परियोजना समन्वयक मनीष चौकसे के निर्देशन में विकास खंड चीचली के एक निजी स्कूल परिसर में शासकीय शाला में अध्ययनरत कक्षा पहली से आठवीं तक पढ़ने वाले दिव्यांग छात्र छात्राओं के लिए खेलकूद एवं विभिन्न सामर्थ्य कौशल प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। इन सामर्थ्य प्रतियोगिता का प्रारंभ विकास खंड स्त्रोत समन्वयक डी के पटेल, बीएसी अरुण दुबे तथा प्रभारी एमआरसी अजय नामदेव की उपस्थिति में सरस्वती पूजन से किया गया। इस आयोजन के चलते दिव्यांग छात्र छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ उनके अंदर छुपी प्रतिभाओं को सामने लाने का उद्वेश्य के चलते ड्राइंग, कुर्सी दौड़, जलेबी

दौड़, रंगोली, चित्रकला, चम्मच दौड़, मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद पंचायत चीचली की अध्यक्ष राधाबाई अहिरवार ने अपने उदबोधन में कहा कि दिव्यांग वर्ग के सभी छात्र-छात्राओं के लिए अध्ययन अध्यापन के साथ इस प्रकार की प्रतियोगिताओ के आयोजन से विद्यार्थियों में समग्रता के साथ नेतृत्व भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं ना केवल बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं बल्कि उन्हें सामाजिक समरसता और समान अवसर प्रदान करने का भी सशक्त माध्यम है। इसी प्रकार से बीआरसी डी के पटेल तथा गांगई प्राचार्य वीरेंद्र राजपूत ने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निकालने के लिए ऐसा मंच मिलना प्रेरणादायक होता है। इस प्रकार के आयोजन से दिव्यांग विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि तथा आत्मबल प्राप्त होता है। समापन के दौरान समस्त प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त एवं समस्त प्रतिभागियों को सील्ड, मेडल सहित सांत्वना पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

मुक्तिधाम के लिये सार्थक प्रयासों की जरूरत, योजनायें कागजों तक सीमित

हरिभूमि न्यूज/साईंखेडा। कहा जाता है कि जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो जब उसका अंतिम संस्कार किया जाता है और वह जगह अच्छी हो तो निश्चित तौर से मरने वाली की आत्मा को शांति मिलती है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि दादाधूनी वालों की नगर सांईखेड़ा में मनाव के अंतिम पडाव पर पहुंचने वाला स्थान भी बदहाल स्थिति में जान पड़ रहा है, जिसको लेकर लोगों का कहना है कि यहां पर मुक्तिधाम को व्यवस्थित स्वरूप देने के लिये सार्थक प्रयासों की जरूरत है। क्योंकि जहां एक ओर मुक्तिधाम के लिये सरकार द्वारा प्रारंभ की गई योजना का सार्थक क्रियान्वयन न होने से लोगों में निराशा देखने मिल रही है। ज्ञात हो कि पूर्व में नगर की एक स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से मुक्तिधाम में शेड का निर्माण किया गया था मगर इसके बाद इस ओर किसी ने ध्यान नही दिया गया, जबकि गौर किया जावे तो म.प्र.सरकार द्वारा मुक्तिधाम के लिये शुरू की गई योजना के तहत शेड बाउन्ड्रीवाल के साथ वृक्षारोपण की योजना तक चलाई जा रही है। मगर इसके बाद भी स्थानीय मुक्तिधाम को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ साथ प्रशासन भी उपेक्षा कर रहा है जिसके चलते जहां नगर के मुक्तिधाम पर दिन भर पशुओं का डेरा जमा रहता है तो दूसरी ओर मार्ग भी उपलब्ध नही होने के कारण लोगों

का यहां तक पहुंच पाना भी मुश्किल हो जाता है। इस संबंध में नगर के लोगों का कहना है कि कभी कभी इस तरह के व्यक्ति का निधन होता है उसमें छोटे से लेकर बडे बड़े प्रभावशाली नेता व अधिकारी भी शामिल होकर बदहाल हो रहे मुक्तिधान की व्यवस्थाये बनाने के लिये बड़ी बड़ी बाते तो की जातरी है। मगर अंतिम संस्कार के लिये मुक्तिधाम जाने पर लोग इसकी चर्चा करते जरूर हैं और घर वापिस आते ही भूल जाते हैं। मुक्तिधाम के लिये बाउण्डीबाल एवं लकड़ियां रखने के लिये कक्ष का निर्माण कर मुक्तिधाम को बुनियादी सुविधायें सुविधायें दिलाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, मगर इस ओर किसी के द्वारा भी ध्यान नही देना चिंता का विषय बना हुआ है।

कलेक्टर ने किया विकास कार्यों का औचक निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने बुधवार को डिंडौरी नगर में संचालित विभिन्न विकास, सौंदर्यीकरण तथा आधारभूत संरचना से जुड़े कार्यों का औचक निरीक्षण कर उनकी प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

डिंडौरी ।

सबसे पहले उन्होंने नगर परिषद क्षेत्र में संचालित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने गंदे पानी को मशीनों द्वारा साफ करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने एडमिन ब्लॉक, लेब रूम, पीएलसी रूम, सीसीटी एवं क्लोरीनीकरण कक्ष का अवलोकन किया। प्लांट के विशेषज्ञ अभिनव गुप्ता ने मशीनों से गंदे पानी को साफ कर पुनः उपयोग योग्य बनाए जाने की प्रक्रिया बताई, जिसे समझते हुए कलेक्टर ने टेंकर से साफ पानी लेकर उसकी गुणवत्ता की स्वयं जांच की। उन्होंने प्लांट में साफ-सफाई बनाए रखने और इसे नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर शारदा टेकरी पहुंचीं, जहां लगभग 90 लाख रुपये की लागत से हॉल एवं सीढ़ी निर्माण का कार्य चल रहा है। निरीक्षण के दौरान निर्माण की गुणवत्ता संतोषजनक न मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। सब इंजीनियर देव उपाध्याय द्वारा मांगी गई डीपीआर प्रस्तुत न करने पर कलेक्टर ने निर्माण कार्य तत्काल बंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य डीपीआर के अनुसार ही किया जाए। शारदा मंदिर परिसर का निरीक्षण करते हुए उन्होंने बताया कि नवरात्रि के दौरान यहां भारी भीड़ रहती है, इसलिए श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए रास्ते का निर्माण आवश्यक है। इस संबंध में नगर परिषद सीएमओ को जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने औरई बाईपास रोड स्थित बेगा–बैगनिया चौराहे पर निर्माणाधीन पानी टंकी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर बल देते हुए संबंधित ठेकेदार को तीन माह के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने नगर के लिए नवीन बस स्टैंड हेतु उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी डिंडौरी को निर्देशित किया। निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर ने अमृत योजना के तहत झुरकी टोला बिरसा मुडां में पानी टंकी, वाटर वांडी तालाब सौंदर्यीकरण कार्य, पुस्तकालय, रानी अवंती बाई चौक, नर्मदा नदी घाट पुल के पास डेम घाट तथा सार्वजनिक शौचालय निर्माण जैसे विभिन्न कार्यों का भी निरीक्षण किया। नर्मदा डेम घाट पर एमपीटीसी विभाग द्वारा चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य का अवलोकन करते हुए उन्होंने नगर परिषद सीएमओ को पर्यटन विभाग जबलपुर के साथ समन्वय स्थापित कर बरसात से पहले यह कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा गायत्री मंदिर–शंकर घाट के पास गीता भवन तथा नागरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए चौपाटी निर्माण के निर्देश भी प्रदान किए। नगर परिषद डिंडौरी कार्यालय में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, उपाध्यक्ष श्रीमती सारिका नायक, पार्षद, सीएमओ, इंजीनियर, सब इंजीनियर एवं समस्त स्टॉफ सहित नगर के विकास, सौन्दर्यीकरण पर रणनीति तैयार की गई और सीएमओ को निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण करने के आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, नगर परिषद सीएमओ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

अपर आयुक्त जबलपुर द्वारा शहपुरा में विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण

डिंडौरी । अपर आयुक्त जबलपुर अमर बहादुर सिंह ने शहपुरा क्षेत्र में विभिन्न राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी शहपुरा, तहसील कार्यालय शहपुरा तथा जनपद पंचायत शहपुरा का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों में व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ चर्चा कर अपने प्रशासनिक अनुभव भी साझा किए तथा बेहतर सेवा प्रदायगी के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। अपर आयुक्त ने समय पालन, रिकॉर्ड संधारण, जनसुनवाई, फाइल प्रबंधन तथा नागरिकों को त्वरित सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए सभी विभागों को सतर्कता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

क्रिकेट चैंपियनशिप हेतु चयनित गुलाब चंद को कलेक्टर ने प्रदान की सहायता राशि

डिंडौरी । अखिल भारतीय बधिर खेल परिषद, त्रिशूर राज्य केरल द्वारा आयोजित 21वीं राष्ट्रीय बधिर पुरुष क्रिकेट चैंपियनशिप में डिंडौरी जिले के मूक-बधिर खिलाड़ी गुलाब चंद साहू के चयन के बाद कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने खिलाड़ी को आवश्यक सहायता राशि प्रदान करते हुए सराहनीय पहल की है।गौरतलब है कि यह प्रतियोगिता 27 से 31 दिसंबर 2025 तक केरल के त्रिशूर में आयोजित की जा रही है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर गुलाब चंद साहू को मध्यप्रदेश टीम में ऑलराउंडर के रूप में शामिल किया गया है तथा उन्हें टीम का कप्तान भी बनाया गया है प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए खिलाड़ी द्वारा आठ हजार रुपये की मांग की गई थी। प्रपत्र प्राप्त होते ही कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तुरंत राशि स्वीकृत कर उपलब्ध कराई, जिससे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए आत्मविश्वास के साथ तैयार हो सके।

विश्व दिव्यांग दिवस पर शहपुरा में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

शहपुरा । विश्व दिव्यांग दिवस के शुभ अवसर पर खंड स्तरीय दिव्यांगजन विद्यार्थियों की खेलकूद साहित्यिक सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन नगर परिषद उपाध्यक्ष एवं नगर शिक्षा समिति अध्यक्ष की उपस्थिति में जनपद शिक्षा केंद्र शहपुरा द्वारा स्थानीय नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में किया गया। एमआरसी हुकुम झारिया ने बताया कि खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में शासकीय अशासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालय के समस्त दिव्यांग विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर प्रथम द्वितीय व तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे प्राथमिक (बालक वर्ग) प्रथम गौरव मार्को, कक्षा 5, प्रा.शा. मामहाँ द्वितीय स्वास्तिक झारिया, कक्षा 4, पीएस पड़रिया कला तृतीय संकेत परस्ते, कक्षा 5, प्रा.शा. बंजर पिपरियाप्राथमिक (बालिका वर्ग) प्रथम गंगा झारिया, कक्षा 5, प्रा.शा. पड़रिया कलाद्वितीय श्रद्धा आर्मो, कक्षा 3, अम्हाई देवरी माध्यमिक बालिका दौड़ प्रथम अभिलाषा झारिया, कक्षा 8, मा.शा. कुड़दर द्वितीय कल्पना यादव, कक्षा 8, मा. पुत्री शाला शाहपुरा तृतीय सीता यादव, कक्षा 8, मा. पुत्री शाला शहपुरा माध्यमिक बालक दौड़ प्रथम – ऋषभ यादव, कक्षा 8, हंसवदिनी स्कूल शहपुरा द्वितीय – सत्यम मथुने, कक्षा 8, माध्यमिक विद्यालय गजवाहर तृतीय विराट चक्रवर्ती, कक्षा 8, हंसवाहिनी विद्यालय हायर सेकेंडरी 100 मी. दौड़ (बालक वर्ग) प्रथम अंशुल वरकड़े, कक्षा 11, उत्कृष्ट विद्यालय शहपुरा द्वितीय अनुज झारिया, कक्षा 10, उमावि गुतलवाह तृतीय सत्यम झारिया, कक्षा 12, उत्कृष्ट विद्यालय शहपुराहायर सेकेंडरी छात्राएँ प्रथम संजना मार्को, कक्षा 10, उमावि गुतलवाह चित्रकला प्रतियोगिता प्रथम आर्य कुमार खण्डेल, कक्षा 6, संस्कार पब्लिक स्कूल द्वितीय परमेश्वरी उरेती, एमएस भरद्वारा तृतीय विराट चक्रवर्ती।

कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने कृषि विज्ञान केंद्र का किया भ्रमण

डिंडौरी ।

शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल मझगांव , समनापुर के कक्षा 9वी एवं 11वीं के विद्यार्थियों ने बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र डिंडोरी का भ्रमण किया।जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्र जाकर विद्यार्थियों ने आधुनिक कृषि के तरीके जाने। कार्यक्रम डॉ पी.एल अम्बूलकर के मार्गदर्शन एवं डॉ. गीता सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। डॉ गीता सिंह ने केंद्र की गतिविधियों की जानकारी दी साथ ही कृषि शिक्षा दिवस मनाने का उद्देश बताया। डॉ गीता सिंह ने प्री एग्रीकल्चर टेस्ट की तैयारी हेतु आवश्यक दिशा प्रदान किए । वर्तमान में आईसीएआर पूषा दिल्ली एवं पीएटी के माध्यम बी एस सी कृषि में प्रवेश परीक्षा में प्राप्त मैरिट अनुसार चयन होता है। कृषि विज्ञान में वर्तमान में अनेक अवसर प्राप्त होते हैं, जिसमे कृषि वैज्ञानिक, कृषि अनुसंधान, महाविद्यालय में शिक्षक ,बैंक अधिकारी, मल्टीनेशनल कंपनी में भी अच्छे पैकेज में जॉब उपलब्ध है। कृषि विज्ञान का अध्ययन करके आधुनिक खेती करके सफल किसान बन सकते हैं। विद्यार्थियों ने टेक्निकल पार्क जाकर संरक्षित खेती के बारे में समझा।सब्जियों की नर्सरी को देखा एवं प्रति एकड़ उत्पादन को जाना, प्राकृतिक खेती इकाई में जाकर बीजामृत एवं जीवामृत बनाना सीखा।इस अवसर पर उर्वरकों के उपयोग एवं प्रत्येक 3 वर्ष में मिट्टी की जाँच को अनिवार्य कराने एवं सही मिट्टी का नमूना कैसे तैयार करें के बारे में विस्तार से बताया गया। उत्कृष्ट विद्यालय के लगभग 80 विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण करा कर कृषि के व्यवहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव, बी एस सी कृषि के छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त हुआ । साथ ही शिक्षक श्रीमती गीता मरकाम, प्रियंशा साहिल वर्मा, मुकेश सोनवानी, ओमप्रकाश, अनिल मरावी ,दीपा मरकाम एवं समस्त कृषि विज्ञान केंद्र परिवार की सहभागिता रही। सभी को कृषि तकनीकी समाचार पत्र जवाहर कृषि संदेश प्रदान किया गया ताकि आगे भी संपर्क बना रहे।

जिला परियोजना समन्वयक द्वारा शालाओं का आकस्मिक निरीक्षण

डिंडौरी ।

जिला परियोजना समन्वयक श्रीमती स्वेता अग्रवाल द्वारा आज एकीकृत मा.शा. भोंदूटोला विकासखंड डिंडौरी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दर्ज 225 विद्यार्थियों में से केवल 118 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए। कम उपस्थिति पाए जाने पर संबंधित शाला प्रमुख को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। जिला परियोजना समन्वयक ने शत-प्रतिशत विद्यार्थी उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं बच्चों के शैक्षणिक स्तर में सुधार हेतु शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। संस्था में प्रधानाध्यापक सहित कुल 10 शिक्षक पदस्थ पाए गए। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शिक्षक श्रीमती स्वस्तिका पांडे बिना अवकाश स्वीकृति के अनुपस्थित मिलीं, जिसे लेकर उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया।

संस्था में मध्यान्ह भोजन का वितरण निर्धारित मेनू के अनुरूप पाया गया। निरीक्षण के दौरान बच्चों से चर्चा कर एमडीएम, एसएमसी एवं बीआरसी द्वारा मध्यान्ह भोजन संचालन की जानकारी भी ली गई। जिला परियोजना समन्वयक ने शालाओं में शिक्षण व्यवस्था, अनुशासन, साफ-सफाई एवं शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर डिंडौरी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन

डिंडौरी ।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं जिला पंचायत डिंडौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांग छात्रावास परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला शिक्षा केंद्र (सर्व शिक्षा अभियान) द्वारा किया गया।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए दिव्यांग बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम, रंगोली, चित्रकला, समर्थ प्रतियोगिताएँ, मैराथन, कुर्सी दौड़ जैसी अनेक रोचक और प्रतिभा-वर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी कला, प्रतिभा और उत्साह का सुंदर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दिव्यांग स्पॉन्सरशिप योजना का शिविर लगाकर बच्चों को योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र बच्चों का चिन्हांकन किया गया।प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों को उपहार वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया, जिससे पूरे परिसर में उल्लास और खुशी का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के दौरान सभी दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया। स्वल्पाहार एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था कर पूरे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रधान न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डिंडौरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डिंडौरी, श्री श्याम सिंगौर (उपसंचालक, सामाजिक न्याय), श्रीमती श्वेता अग्रवाल (जिला परियोजना समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान), श्री अरुण चौबे (बीआरसी), श्रीमती मंजूषा शर्मा, श्री अश्विनी झरिया (मोबाइल स्त्रोत सलाहकार, शिक्षा विभाग), श्री राहुल शर्मा, सुश्री रुचि विनोदिया, श्री सरवन सिंह, श्री कौशल किशोर (सामाजिक न्याय विभाग), श्री सुरजीत सिंह पट्टा (छात्रावास अधीक्षक) सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम ने दिव्यांग बच्चों में आत्मविश्वास, उत्साह और सहभागिता बढ़ाने का सकारात्मक संदेश दिया और समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

बजाग और करंजिया में केंद्रीय प्रभारी का निरीक्षण दौरा, विकास कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

डिंडौरी।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की प्रगति और जमीनी क्रियान्वयन का आकलन करने के लिए नीति आयोग, दिल्ली से केंद्रीय प्रभारी अधिकारी श्रीमती अंकिता सिंह ने बजाग और करंजिया विकासखंडों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उनके साथ मौजूद रहे। दौरे में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बजाग राम बाबू देवांगन, जनपद करंजिया के सीईओ अक्षय डिगरसे, आकांक्षी ब्लॉक फेलो डॉ. विकास जैन, हरिश्चंद्र विश्वकर्मा और अभिषेक बंसल भी सम्मिलित रहे।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती सिंह ने आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य संस्थानों, स्कूलों, छात्रावासों, वन्य रेडियो केंद्र, तथा स्व सहायता समूहों द्वारा संचालित हथकरघा एवं सिलाई प्रशिक्षण इकाइयों का अवलोकन किया। उन्होंने पाटनगढ़ की गोंडी पेंटिंग इकाई भी देखी, जहां स्थानीय महिलाओं और युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण प्रबंधन, प्री-स्कूल शिक्षा और ग्रोथ मॉनिटरिंग की स्थिति की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य संस्थानों में मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, एएनसी जांच, टीकाकरण तथा आपात सेवाओं की उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा हुई। विद्यालयों में बुनियादी ढांचे, पढ़ाई-लिखाई की स्थिति, स्मार्ट क्लासेस और छात्र उपस्थिति की जांच की गई, जबकि छात्रावासों में रहने, भोजन, सुरक्षा एवं स्वच्छता की व्यवस्थाओं का भी मूल्यांकन किया गया।

महिला स्व सहायता समूहों द्वारा कपड़ा निर्माण, सिलाई-कढ़ाई और पेंटिंग जैसी आजीविका गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने समूहों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने निर्देश दिए कि इन उत्पादों को बेहतर बाज़ार, ब्रांडिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए।दौरे के अंत में श्रीमती सिंह ने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए विभागीय समन्वय, नियमित मॉनिटरिंग और सामुदायिक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागों को समयबद्ध और लक्ष्य आधारित कार्रवाई करने तथा डेटा आधारित योजना निर्माण और सतत मूल्यांकन को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

बैगा किसानों को जैविक खेती का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्राकृतिक कीटनाशक और खाद बनाने की विधि सीखी; CARD ने किया आयोजन

डिंडौरी । ग्राम बौना आदिम जनजाति बैगा किसानों को जैविक खेती और टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ने के लिए डिंडौरी जिले के जल्दा गांव में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट (**CARD**) द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण में किसानों को जैविक खाद और प्राकृतिक कीटनाशक बनाने एवं उनके उपयोग का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बिंदु प्राकृतिक कीटनाशकों को बनाना रहा, जिनमें नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, और दस पत्ती अर्क शामिल थे। इसके अलावा, किसानों ने खेत के लिए उपयोगी जीवामृत खाद बनाने की विधि भी सीखी। प्रशिक्षण में किसानों को अपनी मिट्टी की गुणवत्ता समझने के लिए मृदा परीक्षण करने की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई गई,इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अजय सिंह और विनोद यादव उपस्थित रहे, जिन्होंने किसानों को जैविक खेती के लाभों और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। यह प्रशिक्षण परियोजना समन्वयक लवकेश तिवारी के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण का संपूर्ण सत्र विषय विशेषज्ञ प्रशांत द्विवेदी द्वारा दिया गया, जिन्होंने सरल भाषा में किसानों को सभी तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। **CARD** का यह प्रयास बैगा समुदाय के किसानों को रासायनिक मुक्त खेती की ओर मोड़ने में सहायक होगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि और पर्यावरण का संरक्षण सुनिश्चित हो सकेगा।

120 आदिवासी बच्चों को निशुल्क स्वेटर एवं स्टेशनरी सामग्री किया गया वितरण

अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर स्थित बाल विकास विद्या मंदिर समिति अमरपुर द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जनजाति कार्य मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से संस्था अमरपुर बाल विकास विद्या मंदिर समिति अमरपुर द्वारा विद्यालय में अध्यनरत कक्षा 1 से 5 वीं तक के 120 आदिवासी बच्चों को निःशुल्क स्कूली स्वेटर एवं स्टेशनरी सामग्री वितरण किया गया। जिसमें बालक शिक्षक संघ अध्यक्ष शुद्धू सिंह मरकाम, रमेश कुमार मूलचंदानी एवं बच्चों के पालकगण समिति के सचिव अरविंद कुमार यादव सहित स्कूली स्टाफ शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं बच्चे मौजूद रहे।

नरवाई प्रबंधन पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन, आधुनिक कृषि उपकरणों का लाइव प्रदर्शन

डिंडौरी । कृषि अभियंत्रिकी विभाग ने विकासखंड करंजिया के ग्राम बरनई में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक कृषि यंत्री श्री पामेश भगत ने किसानों को नरवाई प्रबंधन में उपयोग होने वाले आधुनिक यंत्रों सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, रोटावेटर, स्मार्ट सीडर आदि की विस्तृत जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र डिंडौरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी.एल. अम्बुलकर ने मिट्टी परीक्षण, फसलों में लगने वाले प्रमुख रोग, रोग नियंत्रण सहित विभिन्न तकनीकी विषयों पर किसानों से विस्तृत चर्चा की। वहीं के.वी.के. के वैज्ञानिक श्री अशोक कुमार पटेल ने प्राकृतिक खेती पर किसानों को सरल एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती शशि मरकाम ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। बीआईएसए इंस्टिट्यूट के चंद्रकुमार ने सूक्ष्म जुताई की तकनीक पर जानकारी साझा की। संगोष्ठी में करंजिया जनपद की कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सहित बड़े स्तर पर किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद सुपर सीडर व अन्य आधुनिक यंत्रों का लाइव प्रदर्शन कृषि विभाग द्वारा किया गया, जिसे किसानों ने उत्साहपूर्वक देखा। कृषक संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी में किसानों की सक्रिय भागीदारी रही और उन्होंने नरवाई प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, गुरुवार 4 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

त्रिदिवसीय कौशल उन्नयन प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना के अंतर्गत शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण तकनीकों, समावेशी दृष्टिकोण, प्रतिभा पहचान, तकनीकी एकीकरण और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण से सशक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में चिन्हित पीएम श्री विद्यालयों के 76 शिक्षकों के लिए 21वीं सदी के कौशल एवं सिटीजन स्किल विषयक त्रिदिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण डाइट नरसिंहपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव के नेतृत्व तथा प्रशिक्षण प्रभारी वरिष्ठ व्याख्याता गोविंद बड़कुर की व्यवस्थाओं में तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिदिन पीटी अभ्यास, समूह-कार्य, कार्यशालाएँ, संवाद सत्र एवं विभिन्न अभिनव शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। मास्टर ट्रेनर्स ललित दुबे, बलिराम अहिरवार, दीपक ठाकुर एवं अर्चना कहार ने विषयानुरूप सक्रिय एवं व्यवहारिक सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया। प्राचार्य श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षणों का उद्देश्य शिक्षकों को अधिक सक्षम, सशक्त और नवाचार के प्रति प्रेरित करना है, ताकि वे विद्यार्थियों को सकारात्मकता, कौशल एवं ज्ञान से समृद्ध कर सकें। प्रशिक्षु शिक्षकों ने इसे अपने व्यावसायिक विकास हेतु अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि प्राप्त ज्ञान व कौशल का अधिकतम उपयोग कर वे विद्यार्थियों को लाभान्वित करेंगे।

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत विस थाना क्षेत्र कोतवाली के कुम्हड़ी तिराहे पर हुई सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अर्जुन सिंह केवट उम्र 35 वर्ष निवासी रातीकरार कुम्हड़ी तिराहे के पास हुई सड़क दुर्घटना मे घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डाक्टरों द्वारा परीक्षण के दौरान मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परजिनों को सौंपा दिया।

किशोरी ने काटा हाथ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली के किसानी वार्ड निवासी किशोरी द्वारा अज्ञात कारणों से ब्लड से बपना हाथ काट लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

अस्पताल में भर्ती कराई गई 16 वर्षीय दो किशोरियां

जिले में नहीं रूक रहे बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में प्रशासन द्वारा बाल विवाह रोकने के लिए अनेकों प्रयास किए जा रहे है लेकिन जिले में बाल विवाह रूकने का नाम नही ले रहे है। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा को उच्च स्तर से आदेश मिलने पर टीम गठित कर दस्तूर कार्रवाई कर प्रचार प्रसार किया जाता है लेकिन जिले मे बाल विवाह बंद नही हो पाते है बाल विवाह होने पर स्थानीय अमले को भी जिम्मेदार माना जाना चाहिए क्योंकि बिना स्थानीय अमले की जानकारी के बाल विवाह नही हो सकता है कही ना कही उनकी भी मिलीभगत का अंदेशा रहता है।

मिली जानकारी के अनुसार बीते दिवस जिला चिकित्सालय मे अलग - अलग स्थानों से दो किशोरियां को भर्ती कराया गया जिनकी उम्र 16 वर्ष बताई गई। दो युवतियां प्रसव संबंधी उपचार के लिए भर्ती हुई। उक्त संबंध में अस्पताल प्रबंधन द्वारा प्रशासनिक कार्रवाई हेतु अवगत भी कराया गया है। अब देखना होगा कि प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है। जबकि प्रशासन जिले मे बाल विवाह रोकने के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

मामला इस प्रकार

जिला चिकित्सालय मे परिजनों द्वारा अलग - अलग स्थानों की निवासी दो किशोरियों को लेकर आए जिन्हे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। भर्ती के दौरान दोनों की उम्र का खुलासा हुआ जिसे एक किशोरी की उम्र 16 वर्ष 9 माह 20 दिन है वही दूसरी किशोरी की उम्र 16 वर्ष 1 दिन है। एक किशोरी का नौ माह का गर्भ है वही दूसरी का तीन माह की गर्भवती है। फिलहाल दो का उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है। वही अस्पताल प्रबंधन द्वारा प्रशासन को सूचना प्रेषित की जा चुकी है। अब देखना होगा की प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जावेगी । प्रशासन को चाहिए की बाल विवाह

रोकने के लिए स्थानीय अमले को कड़ाई से नियमों को पालन कराना आवश्यक है तब जाकर की बाल विवाह बंद हो सकते है।

प्रशासनिक असफलता या जागरूकता की कमी

जिले में प्रशासन द्वारा लक्ष्य बनाकर नाबालिग बालक तथा वालिकाओं की शादी ना करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाता है तथा लोगों को अनेकों माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया जाता है उसके साथ ही प्रशासन का अमला वाल विवाह रोकने के लिए पूरी तरह सक्रिय रहता है लेकिन उसके बाद भी जिले में बाल विवाह रूकने का नाम नही ले रहे। बाल विवाह बंद कराने के लिए प्रशासन द्वारा सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से नुक्कड़ नाटक रैली आदि निकालकर संदेश दिया जाता है। उक्त संबंध मे प्रशासन के सभी कार्यो पर पानी फेरने का कार्य दो किशोरियों के बाल विवाह ने कर दिया। जिला अस्पताल लाई गई किशोरियों के विवाह मे परजिनों व स्थानीय अमले द्वारा जानकारी ना देना भी कारण बन सकता है और यदि किशोरी गर्भवती थी तो गर्भधारण करने के उपरांत उक्त जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा नही ली गई ऐसें कई सवाल उत्पन्न हो रहे है।

बाल विवाह काननून अपराध

बाल विवाह करना कानूनी रूप से अपराध है बाल विवाह करने पर सरकार द्वारा दंड का प्रावधान भी बनाया गया है। बाल विवाह के कारण कई प्रकार की सामाजिक परेशानी भी सामने आती है जिसके प्रति जागरूक करने के लिए सरकार द्वारा रैली, नुक्कड़ नाटक, पर्चे, स्लोगन लेखन व वाचन आदि कराकर लोगों को जागरूक किया जाता है परन्तु जिले मे इसका प्रभाव कारगर नजर नही आ रहा है। दो वर्ष की दो किशोरियों की शादी होने के संबंध मे प्रशासन के द्वारा कोई जानकारी साझा नही की गई और ना ही स्थानीय अमले को नोटिस दिए गए है।

जबकि बाल विवाह रोकने के लिए स्थानीय अमले को सूचित करने के लिए ठोस निर्देश प्रशासन द्वारा दिए गए है उसके बावजूद भी बाल विवाह हो जाना कई संदेहों को जन्म दे रहा है। कही ना कही उक्त बाल विवाह प्रशासनिक असफलता को दर्शा रहे है। प्रशासन को चाहिए की सूक्ष्मता से जांच कर कार्रवाई करे।

लॉरेल्स स्कूल में यातायात जागरूकता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बुधवार को स्थानीय लॉरेल्स इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में यातायात थाना पुलिस द्वारा ट्रैफिक अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीमती ममता तिवारी एवं सूबेदार श्रीमती ज्योति ठाकुर ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया। निरीक्षक श्रीमती ममता तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाइक चलाते समय हेलमेट लगाना केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का महत्वपूर्ण कवच है। उन्होंने बताया कि हेलमेट का उपयोग, सीट बेल्ट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन और वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करते हुये सभी आदतें सड़क दुर्घटनाओं को रोक सकती हैं। उन्होंने छात्र - छात्राओं से आग्रह किया कि वे स्वयं सुरक्षित रहें और अपने परिवार को भी सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को राहवीर योजना की जानकारी भी दी। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को संकल्प दिलाया गया कि वह अपने माता-पिता को बाइक व स्कूटर चलाते वक्त हेलमेट लगाने प्रेरित करेंगे। सूबेदार श्रीमती ज्योति ठाकुर ने विद्यार्थियों को पैदल सड़क पार करने के सही तरीके, जेब्रा क्रॉसिंग के उपयोग, सड़क संकेतकों के अर्थ तथा ट्रैफिक सिग्नलों का सही पालन करने की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां बड़े हादसों को रोक सकती हैं। उन्होंने बताया कि पैदल चलते समय सड़क की दाईं तरफ चलना चाहिए, मोड़ पर वाहन की गति धीमी रखनी चाहिए और ओवरटेकिंग केवल सुरक्षित स्थिति में ही करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के संचालक कुरियन स्कारिया ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती रोसम्मा कुरियन, पीटीए अध्यक्ष वारिज बाजपेई सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बरहटा स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में मुंगवानी थाना प्रभारी अनिल तिवारी एवं आरक्षक अनुज डहरिया ने विद्यार्थियों को यातायात जागरूकता, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराधों की जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम यातायात सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आयोजित किया गया था। इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव के तरीकों के साथ-साथ संबंधित विभिन्न कानूनों और सहायता नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। छात्रों को बताया गया कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़ा एक सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। उन्हें वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने, नशे की हालत में ड्राइविंग न करने, सड़क पर निर्धारित गति का पालन करने, वाहन के वैध दस्तावेज साथ रखने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त, दोपहिया वाहन पर दो से अधिक लोगों को बैठाने और गलत दिशा में वाहन चलाने के खतरों के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में साइबर अपराधों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें केवाईसी अपडेट के नाम पर फर्जी कॉल या लिंक भेजकर निजी और बैंकिंग विवरण मांगने, ओटीपी फ्रॉड, यूपीआई स्कैम, सोशल मीडिया हैकिंग और फर्जी कॉल जैसे आधुनिक तरीकों से होने वाले साइबर अपराधों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य शैलेन्द्र बक्शी ,पत्रकार सुरेश गिरधोनिया एवं सभी शिक्षकों की उपस्थिति रही।

विंध्याचल एक्सप्रेस की लेटलतीफी बनी ग्रामीण यात्रियों की परेशानी

घंटों की देरी से टूटा भरोसा रोजाना सफर करने वाले छात्र मजदूर सबसे अधिक प्रभावित

गोटेगांव। बीते दिनों से कभी जबलपुर-इटारसी रेलखंड की शान कही जाने वाली विंध्याचल एक्सप्रेस आज अपनी लगातार लेटलतीफी के कारण ग्रामीण यात्रियों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। गरीब, और वर्ग के लिए यह ट्रेन पहले सबसे अधिक भरोसेमंद मानी जाती थी, लेकिन अब चार से पांच घंटे की देरी इसकी पहचान बन चुकी है। रोजाना देरी से चलने के कारण गोटेगांव, करकबेल, बेलखेड़ा, नरसिंहपुर, करेली, गाडरवारा, पिपरिया और बनखेड़ी जैसे छोटे स्टेशनों के हजारों यात्री परेशान हैं। स्कूली छात्र और कॉलेज के विद्यार्थी समय पर कक्षाओं में नहीं पहुंच पाते, वहीं दैनिक वेतनभोगी मजदूरों की आमदनी सीधे प्रभावित हो रही है। यात्रियों का कहना है कि जब भी कोई जरूरी काम-जैसे इलाज, परीक्षा, इंटरव्यू या पारिवारिक कार्यक्रम हो तो वे अब इस ट्रेन पर भरोसा नहीं कर सकते। रेलवे ने इस ट्रेन को 'स्पेशल' श्रेणी में रखकर किराया तो बढ़ा का दिया, लेकिन न सुविधा बेहतर हुई और न ही समय पालन। इंतजार, दोनों मिलकर यात्रियों की परेशानी बढ़ा रहे हैं।

ग्रामीणों और नियमित यात्रियों की मांग है कि विंध्याचल एक्सप्रेस को फिर से समयबद्ध चलाया जाए, इसे सामान्य एक्सप्रेस की तरह नियमित किया जाए या किराया कम किया जाए। यह सिर्फ एक ट्रेन नहीं, लाखों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का सवाल है।

कई यात्रियों ने बताई अपनी समस्याएं

आरती विश्वकर्मा करकबेल से नरसिंहपुर कॉलेज जाने वाली छात्रा बताती है- ट्रेन लेट होती है तो क्लास छूट जाती है। कई बार तो वापस लौटना पड़ता है। शंकर यादव मजदूरी का काम करते हैं। उनका कहना है कि वे ट्रेन से करेली जाते हैं. देर से पहुंचने पर ठेकेदार पैसे काट लेता है। किराया एक्सप्रेस का, हाल पैसेंजर से भी बदतर। वहीं आनंद नेमा का कहना है कि पहले ट्रेन समय पर चलती थी, लेकिन ज्यादा एक्सप्रेस गाड़ियां जोड़ने से इसकी हालत खराब हुई है। दीपक तिवारी ने बताया कि लेट होने से उन्हें दोपहिया वाहन से नरसिंहपुर जाना पड़ता है। आलोक जैन का कहना है कि पहले ट्रेन का टाइम ऐसा था कि उसके समय के पहले अगर 5-10 मिनट लेट हुए तो गाड़ी निकल जाती थी, लेकिन अब इसकी दिनचर्या बिगड़ गई है। किराया अधिक है और लेट-लतीफी से परेशानी होगी।

श्री गीता पंद्रवें अध्याय पुरुषोत्तम योग का किया सस्वर वाचन

गोटेगांव। समीपवर्ती शासकीय हाई स्कूल ठेमी में श्री गीता महोत्सव का शुभ आयोजन किया गया। इस अवसर पर शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला मुशरान पिपरिया से सहायक शिक्षक सत्यम नेमा तथा गीता निकुंज आध्यात्मिक संस्थान, नरसिंहपुर से करकबेल निवासी कैलाश सिंह सोनी ने पंद्रवें अध्याय "पुरुषोत्तमयोग" का सस्वर वाचन कर सभी उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों को गीता के सार से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को भी मंच पर आमंत्रित कर सस्वर वाचन हेतु प्रेरित किया गया। इसके साथ ही गीता पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।काव्य-कला, वाक-चातुर्य और सहज संवाद शैली में निपुण सत्यम नेमा ने सभी उपस्थितों की आंखें बंद करवाई और विभिन्न महापुरुषों के नाम लेकर रेखाचित्र प्रस्तुत करवाए। इससे विद्यार्थियों को गहन रसानुभव हुआ और उन्होंने पूरे महोत्सव को ध्यानपूर्वक श्रवण किया। उपस्थित अतिथियों में वरिष्ठ समाजसेवी श्री गोपाल सिंह ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्रधर्म को सबसे बड़ा धर्म बताया। एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला ठेमी के एसएमसी अध्यक्ष घनश्याम कुशवाहा ने श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद का स्मरण कर जय-पराजय की चिंता त्यागने और सतत संघर्ष करने का संदेश दिया।अंत में संस्था प्राचार्य विनय नेमा ने निष्काम कर्म और सत्यमेव जयते का संदेश दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन हिन्दी शिक्षक मुकेश कुमार लोधी ने किया।शाला शिक्षक हरिशंकर पटेल, वंदना सोनी, रीता ठाकुर, सेवक सिंह लोधी, सचिन अग्रवाल, रुद्रेश नेमा और सहायक शांति सहित विद्यार्थियों में 10वीं कक्षा से योगिता कुशवाहा, पुनीत पटेल, संस्कार सैनी तथा 9वीं कक्षा से पलक जैन, रौनक विश्वकर्मा, थम्मन लोधी की सराहनीय और पूर्ण सहभागिता से गीता महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त कर लौटे आशीष सोनी का किया अभिनंदन

गोटेगांव। समीपवर्ती ग्राम कुम्हड़ाखेड़ा स्थित शासकीय आईटीआई में प्रशिक्षण अधिकारी आशीष सोनी के राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त कर लौटने पर उनका भव्य अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में सूक्ष्म लघु उद्योग संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं आईएमसी चेयरमैन सुबोध जैन तथा संस्था की प्राचार्या ऋतु बाक्टे की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान सुबोध जैन ने आशीष सोनी के उत्कृष्ट योगदान, परिश्रम और नवाचारी कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ प्रदान किया। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि संस्था स्तर पर गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने वाले मेहमान प्रवक्ताओं को प्रति वर्ष 11,000 रुपये की राशि सम्मानस्वरूप प्रदान की जाएगी। प्राचार्या ऋतु बाक्टे ने अपने उद्बोधन में श्री सोनी के समर्पण, कार्यनिष्ठा और नवाचार आधारित प्रशिक्षण पद्धति की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी इस उपलब्धि से संस्था ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश गौरवान्वित हुआ है।अंत में कार्यक्रम का आभार व्यक्त नारायण कोस्टा द्वारा किया गया। समारोह में संस्था के सभी प्रशिक्षण अधिकारी, स्टाफ सदस्य एवं प्रशिक्षणार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्री मज्जिनेंद्र कल्याणक महामहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ में मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के मंत्रियों को दिया गया आमंत्रण

9से 15 दिसंबर के बीच होना है आयोजन

तेंदूखेड़ा। नगर में भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी के नवीन मंदिर निर्माण एवं प्रतिष्ठा आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आगामी 9दिसंबर से 15 दिसंबर के बीच श्री मज्जिनेंद्र कल्याणक महामहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।जिसे लेकर जैन समाज द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रहीं हैं। विगत दिवस आयोजन समीति के अध्यक्ष डा शचींद्र मोदी के नेतृत्व में सेठ ज्ञानचंद जैन रजनीश जैन कमल कुमार जैन अरविंद अमित कुमार जैन द्वारा भोपाल पहुंच कर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डा मोहन यादव प्रभारी मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल परिवहन एवं शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह स्वास्थ्य राज्यमंत्री शिवाजी पटेल को उनके भोपाल स्थित निवास पर पहुंच कर आमंत्रण पत्र देकर पधारने का निवेदन किया। तैयारियों को लेकर आयोजन समीति द्वारा व्यापक स्तर पर दिन रात तैयारियां चल रहीं हैं। कार्यक्रम स्थल से लेकर जैन मंदिर परिसर तथा रास्ते में पड़ने वाले सभी मंदिरों में विद्युत साज सज्जा की जा रही है।लगातार बैठकों के माध्यम से सभी वर्गों के लोगों से इस वृहद आयोजन में सहयोग हेतु कार्यों के दायित्व भी सौंपें जा रहें हैं। चूंकि यह नगर का बड़ा आयोजन है को लेकर सभी वर्गों के लोगों द्वारा अपने अपने स्तर से सहयोग भी किया जा रहा है। आगामी 11 दिसंबर को ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इस महायज्ञ को संपन्न कराने में दिगम्बर जैन धर्म की परम्परा अनुसार पात्रों ने बोली लगाकर सौभाग्य प्राप्त किया है। जिसमें सौधर्म इंद्र अंकित मोदी आरती मोदी कुबेर इंद्र अमिताभ मोदी अमिता मोदी महायज्ञ नायक अमित कोठारी दीपा कोठारी यज्ञ नायक आशीष सेठ माधुरी सेठ ईशान इंद्र शुभम जैन पाटन वाले सनित इंद्र अर्पित कुसमी वाले महेंद्र साकेत तेंदूडाबर बाहुबली प्रियंक जैन श्रीयांस राजा डा अखिलेश जैन राजा सोम अनुराग मोदी भरत चक्रवर्ती आयुश तेंदूडाबर का चयन हुआ है। गौरतलब रहे कि नगर के पुराने बस स्टैंड से मंडी रोड पर जाने वाले सड़क मार्ग पर मुनि सुब्रतनाथ जी का नवीन मंदिर निर्माण हुआ है। जिसका निर्माण विगत तीन वर्षों से अनवरत जारी है।इस भव्य मंदिर में मुनि सुब्रतनाथ जी एवं पारस नाथ जी की प्रतिष्ठा हेतु विशाल प्रतिमा भी जयपुर से लाई गई है। मंदिर निर्माण की एक ट्रस्ट भी बनाई गई है।जिसकी देख रेख में यह कार्य संपादित हो रहा है। आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के द्वारा ही इस मंदिर की आधारशिला रखी गई थी।जिनका पदार्पण 10 दिसंबर तक आने की उम्मीद जताई जा रही है। उनकी अगवानी को लेकर भी सभी धर्मों के प्रतिष्ठित जनों द्वारा अलग-अलग चौराहों पर तैयारियां की जा रही है।